

AUGUST MONTH PORTION

पाठ : संवादहीन, मुद्दाबारे
पद्यय : भारतीय जय, विजय करे

II मेरी समझ मेरे विचार P. no. 53

1. "भगवान ! कैसे नैया पार है ?"

उ० चूँकि 'नैया' का अर्थ तारि के जीवन रूपी नैया से है। तारि का सारा पूरा परिवार बिखर गया था, बच्चे बाहर चले गए थे और वे उस बड़े घर में बिलकुल अकेली रह गई थी। अपने अकेलेपन और बुढ़ापे के कष्टों को देखकर वे चिंतित होकर ईश्वर से पूछती हैं कि अब अगो का जीवन कैसे कटेगा और उनका अंत समय कैसे पार लगेगा।

2. धीरे-धीरे किया गया है,

उ० इस वाक्य में तारि के संपन्न परिवार और कारोबार के बिखरने की ओर संकेत किया गया है। उनके बड़े-बड़े शहर जाकर बस गए, बेटियों की शादी हो गई। घर की देख-रेख करनेवाला कोई नहीं बचा, जिसके कारण धीरे-धीरे उनकी खेती-बाड़ी और घर की सुख सुविधाएँ दूसरों के नियंत्रण में चली गई।

3. ताई की सारी

सत्रों 7

उ० ताई के पास अब अपना कहने वाला कोई नहीं था। जब गनपत उनके लिए एक चारा सा पहड़ी तौता (मिट्टू) लेकर आया, तो ताई को अपने अकेलापन का एक साथी मिल गया। अपनी संचित ममता अब वे उस तौते पर लुटाने लगी क्योंकि वही अब उनके सुख-दुख का एक मात्र सहारा था।

4. "अब ताई को पता चलता है?"

उ० इस वाक्य से पता चलता है कि मिट्टू के आने से ताई के व्यक्तित्व में सजीवता और उत्साह लौट आया था। उनमें जीने की नई इच्छा जागी और वे अपने परिवेश के प्रति अधिक जागरूक हो गई थी।

5. जंगन मास्टर स्पष्ट कीजिए।

उ० जंगन मास्टर आदर्शवादी, फ्याल्फु और स्वतंत्र विचारों के व्यक्ति थे।

उदाहरण:

जब उन्होंने मिट्टू को पिंजरे में देखा तो उन्हें बेचनी होने लगी। वे मिट्टू को कैद से आजाद करने के लिए अपने घर का दरवाजा खुला रखते। वे जीवों की स्वतंत्रता का सम्मान करते थे।

6. कहानी का

रूप रट कीजिए।

30 कहानी का शीर्षक 'संवादहीन' सबसे अधिक नए तौर के लिए सार्थक प्रतीत होता है। पुराना मिट्टू ताई के साथ बात करता था, उनके सवाल के जवाब देता था, और उनके दुख-सुख का साथी था। लेकिन ताई के लौटने पर नया तौर, ताई ने कोई संवाद नहीं कर पाता। उसका चुप रहना ही उस संवादहीनता को दर्शाता है, जिसने ताई के एकाकीपन को और गहरा कर दिया।

7. अब ये ही

गया होगा।

30 ताई के घर को 'सूना खंडहर' इसलिए कहा गया क्योंकि जिस घर में कभी रौनक, गीत-चाकर और बच्चों का शोर रहता था, वह अब एकदम खाली और खामोश हो गया था। घर की भौतिक स्थिति भी खराब हो रही थी और अपनों के अभाव में वह विशाल भवन केवल एक निजी विचारों मात्र रह गया था। जहाँ केवल ताई और मिट्टू ही बचे थे।

मेरे उत्तर मेरे तर्क

P.No. 52

1. (ख) ममता और स्नेह

ताई मिट्टू को एक पक्षी के बजाय परिवार के सदस्य की तरह मानती थी।

2 (घं) करुणा और नैतिकता

जगन मास्टर एक शिक्षक थे और वैचारिक रूप से किसी भी जीव को गुलामी के खिलाफ थे। पक्षी को आजाद करना नैतिक रूप से सही कार्य था जो उनकी करुणा को दर्शाता है।

3 (गं) स्वतंत्रता की चाह

तोते को तारु से प्रेम था, लेकिन जैसे ही उसे मौका मिला वह उड़ गया। किसी भी जीव के लिए स्वतंत्रता सबसे बुनियादी और सबसे बड़ी चाह होती है।

4 (खं) परिवार से दूरी और संवाद का अभाव

तारु अकेलापन का शिकार थे क्योंकि उनके बच्चे साथ नहीं रहते थे। घर में बात करने वाला कोई न होना ही उनके जीवन की सबसे बड़ी संवादहीनता थी।

5 (गं) अकेलापन

इस कहानी में लेखक ने बुजुर्गों की उपेक्षा और उनके अकेलापन को समस्या को बहुत मार्मिक ढंग से लिखा है।

मेरे प्रश्नP. no. 53उत्तर

1. क. ताई के सूनेपन को किसने सहारा दिया था?
2. अताई के प्रभाराज से लौटने से पहले क्या अनादौनी हुई?
3. क. गाँववाले ताई के वापसी से क्यों चिंतित थे?
4. ख. शीर्षक 'संवादहीन' का क्या भावार्थ है?

बाकी के सभी विषयों (Headings) शीर्षकों पर कक्षा में चर्चा करें।

मौखिक रूप में उत्तर कहने की प्रेरणा दें।

भारति, जय, विजयकरे।
मेरे उत्तर मेरे तर्क

1. 30 ग. भारत के ज्ञान, प्रकृति और संपन्नता पर प्रशंसा की गई है।

तर्क - कविता में भारत की प्राकृतिक सुंदरता (गंगा, हिमालय) आध्यात्मिकता (ऊँ) और समृद्धि (कनक - शक्य) का वर्णन है।

2. 30 (क) भारत की धन-धान्य संपन्नता

तर्क : उपर्युक्त पंक्ति में सोना, फसल और कमल का उल्लेख है, जो भारत की समृद्धि को दर्शाता है।

3. 30 (ख) दृष्टान्त दिशाएँ उदार / शत्रुमुख शत्रुव - मुखर।

तर्क - इस पंक्ति में चारों दिशाओं में गूँजते दृष्टान्त का वर्णन है।

5. 30 (ख) राष्ट्रियता और देश प्रेम

तर्कभारत को माता के रूप में स्थापित कर
उसकी सुंदरता को देशप्रेम
और राष्ट्रप्रीय भावना के द्वारा
प्रकट किया गया है।

मेरी समझ मेरे विचार

1. कविता में मिलती है,

30 कविता में कवि की देशभक्ति,
गौरव और युद्ध की भावना
व्यक्त हुई है। कवि ने भारत
माता की महानता और सुंदरता
का गुणगान करते हैं।

2. कविता में भारत क्यों?

30 कवि ने भारत के प्राकृतिक सौंदर्य
को गंगा, हिमालय, पेड़-पौधे,
वन, लताएँ और समुद्र के माध्यम
से बहुत सुंदर ढंग से प्रस्तुत
किया है।

हाँ, प्रकृति का संरक्षण करना भी
देशप्रेम है, क्योंकि प्रकृति ही
हमारे देश की सुंदरता और जीवन
का आधार है। इसे बचाना
हमारा कर्तव्य है।

3. "कनक-शरय" रही है,

30 यह पंक्ति भारत के समृद्धि, उर्वरता

और सुंदरता को दर्शाता है।

- * कनक → धन (सौना)
- * शस्य → फसल (अन्न)
- * कमल → फूल (सुंदरता)

4. "मुकुट" कौन ?

उ० हिमालय भारत के उत्तर में स्थित है और वहाँ से देखा हुआ बहुत सुंदर दिखाई देता है। इसलिए उसे भारत माता का मुकुट (ताज) कहा गया है। जो उसकी शोभा बढ़ाता है।

नोट : अन्य शीर्षकों पर छात्रों से चर्चा करें अथवा मौखिक रूप से बातचीत करें।